फूलों में सज रहे हैं | By Shubham Sharma

फूलों में सज रहे हैं श्री वृन्दावन बिहारी
श्री वृन्दावन बिहारी, श्री वृन्दावन बिहारी
श्री वृन्दावन बिहारी, मोहन मदन मुरारी
और साथ सज रही है वृषभानु की दुलारी
फूलों में सज रहे हैं.....

टेढ़ा सा मुकुट सर पे रखा है किस अदा से
करुणा बरस रही है करुणा भरी निगाह से
बिन मोल बिक गई हूँ जबसे छवि निहारी
फूलों में सज रहे हैं.....

गैया गले में डाले, जब दोनों मुस्कुराते
सबको ही प्यारे लगते सबके ही मन को भाते
इन दोनों पे मैं सदके, इन दोनों पे मैं वारि
फूलों में सज रहे हैं.....

नीलम से सोहे मोहन स्वर्णिम सी सोहे राधा
नीलम से सोहे मोहन स्वर्णिम सी सोहे राधा
एक नन्द का है छोरा एक भानु की दुलारी
फूलों में सज रहे हैं.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ab%e0%a5%82%e0%a4%b2%e0%a5%8b%e0%a4%82-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%b8%e0%a4%9c-%e0%a4%b0%e0%a4%b9%e0%a5%87-%e0%a4%b9%e0%a5%88%e0%a4%82-by-shubham-sharma/